18 फरवरी, 2016

प्रेस रिलीज

बीएसईएस उपभोक्ताओं ने अपने घरों में लगाए 32 लाख नए एलईडी बल्ब

बिजली की मांग में आएगी 4.70 करोड़ यूनिट की कमी

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड में सालाना 4.70 करोड़ यूनिट बिजली की कमी आने आने की संभावना है। इसका श्रेय बीएसईएस उपभोक्ताओं को जाता है, क्योंकि उन्होंने पिछले सात माह के दौरान अपने घरों में 32 लाख नए एलईडी बल्ब लगाए हैं। ये बल्ब एक स्कीम के तहत काफी कम कीमतों पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए गए हैं।

ईईएसएल यानी एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के साथ मिलकर बीएसईएस अपने क्षेत्रों में एलईडी बल्बों का वितरण सुनिश्चित कर रही है। उल्लेखनीय है कि इस स्कीम के तहत एलईडी बल्ब काफी सब्सिडाइज्ड कीमतों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 7 वॉट का एक एलईडी बल्ब सिर्फ 93 रूपये में उपलब्ध कराया जा रहा है। उपभोक्ता अब प्रति सीए नंबर 10 बल्ब तक खरीद सकते हैं। बल्ब निर्माता की तरफ से इन बल्बों पर तीन साल की वॉरंटी भी दी गई है।

स्कीम के तहत, बीआरपीएल उपभोक्ताओं ने 20 लाख एलईडी बल्ब अपने घरों में लगाए हैं, जबकि बीवाईपीएल उपभोक्तों ने 12 लाख एलईडी लगाए हैं। यह स्कीम 1 जून, 2015 को लागू की गई थी।

एलईडी बल्बों के अधिक इस्तेमाल से बिजली की बचत तो होती ही है, साथ ही पर्यावरण भी बेहतर बनता है। उपभोक्ताओं की जेब के लिए यह अधिक फायदेमंद है, क्योंकि एलईडी बल्बों के उपयोग से बिजली की खपत में कमी आती है, और उन्हें बिल के रूप में अपेक्षाकृत कम पैसों का भुगतान करना होता है। गौरतलब है कि एलईडी बल्ब, सीएफएल के मुकाबले 50 प्रतिशत कम, और पारंपरिक बल्ब के मुकाबले 85 प्रतिशत कम बिजली की खपत करते हैं।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस हमेशा से ऊर्जा संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देती रही है। इसी क्रम में एलईडी और रूफटॉप सौर ऊर्जा नेट मीटरिंग के इस्तेमाल के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।